Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to take flood control measures in Gopalganj Parliamentary Constituency, Bihar- laid

डॉ. आलोक कुमार सुमन (गोपालगंज): मेरे संसदीय क्षेत्र गोपालगंज में हुई बाढ़ की विभीषिका एवं उससे हुए जान-माल के नुकसान की ओर मैं माननीय जलशक्ति मंत्री जी का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूँ ।

मेरे संसदीय क्षेत्र गोपालगंज में बाढ़ का मुख्य कारण नेपाल में लगातार बारिश होने से गंडक नदी का जलस्तर बढ़ जाता है और बाल्मीकि नगर बराज से कई लाख क्यूसेक पानी छोड़ देने से रातों-राज पूरा जिला जलमग्न हो जाता है । गंडक नदी के लगातार घटते-बढ़ते जलस्तर की वजह से बाँध में कटाव होता है और बाँध टूट जाता है । इससे करीब एक सौ पच्चास (150) गाँव के लोग प्रभावित होते हैं तथा हजारों की तादाद में लोग विस्थापित हो जाते हैं । पिछले कई सालों में लाखों लोगों के घर नदी के कटाव के कारण समाप्त हो गए । कल तक जहाँ गाँव हुआ करता था आज वहाँ कई किलोमीटर तक नदी की धारा बह रही है । वर्ष 2017 में 300 परिवार वाला टिहरी टोला गंडक की उग्र धारा में बह गया था । कई स्कूल एवं सरकारी भवन भी बह गए । हमारे गोपालगंज में 72 किलोमीटर की दूरी में गंडक नदी बहती है, जिसमें 8 जगहों पर डेंजर प्वाइंट हैं । मेरे संसदीय क्षेत्र के 6 प्रखण्ड जिसमें बरौली, सिधौलिया, बैकुण्ठपुर, कुचायकोट एवं गोपालगंज ब्लाक सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं ।

इसका समाधान यह है कि अगर जलशक्ति मंत्रालय बाँध में बोल्डर लगा दें एवं किनारों को सीमेन्टेड कर दें तो कटाव को रोका जा सकता है तथा इससे बाढ़ से होने वाली बर्बादी को भी रोका जा सकता है । जैसा कि उत्तर प्रदेश में गंडक नदी पर सरकार ने किया है । इससे सरकार को हर साल खर्च होने वाले करोड़ों रूपये को बचाया जा सकता है साथ-साथ बाढ़ का स्थायी समाधान भी है ।

अत: माननीय जलशक्ति मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाह रहा हूँ ताकि केन्द्रीय टीम को भेजकर सर्वे कराया जाए एवं स्थायी समाधान निकाला जाए । बाढ़ के स्थायी समाधान से देश का पैसा बचेगा एवं लोगों के जीवन में खुशहाली आयेगी ।